# बी.ए. आनर्स संस्कृत कार्यक्रम

# (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रीय कार्य

जुलाई, 2022 एवं जनवरी, 2023 सत्रों के लिए

BSKC- 102 संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक विश्लेषण

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली

110068

बी.ए.आनर्स संस्कृत (कार्यक्रम) संस्कृत-कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2022-23)

पाठ्यक्रम कोड : BASKH/BSKC-102/2022-23

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जांच सत्रीय कार्य (2022-23) है. सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए है. सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे.

उद्देश्य : शिक्षक जांच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जांचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं. यहां पाठय सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढ़ंग से प्रस्तुत कर सकें, इसे ठीक से ग्रहण करना ही उद्देश्य है.

निर्देश:- सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ट के दायों सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए.
2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शिषर्क, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केंद्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है.

अनुक्रमांक :…….

नाम : …….

पता :…….

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :…….

सत्रीय कार्य कोड : ……..

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ……..

दिनांक…….

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियां :

जुलाई 2022 सत्र के लिए : 30 अप्रैल 2023

जनवरी, 2023 सत्र के लिए : 30 अक्तूबर 2023

## सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

१. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को धयान से पढ़िए फ़िर इससे सम्बंधित इकाइयों का सावधानिपूर्वक अध्ययन कीजिए. अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए.

२. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए. अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए. निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए. मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें. उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए.

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

(क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

(ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियां न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें.

३. प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जायें तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए.

शुभकामनाओं के साथ

नोट: याद रखे कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी.

## सत्रीय कार्य

## BSKC- 102 संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक विश्लेषण

पाठ्यक्रम का कोड- BSKC-102

पाठ्यक्रम शीर्षक -संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक विश्लेषण

पाठ्यक्रम कोड: BASKH/BSKC-102/2022-23

पूर्णांक - 100

नोट - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं:-

1. वेदों के अंग कौन-कौन से हैं, विस्तारपूर्वक वर्णन करें. 20

अथवा

प्रमुख उपनिषद् कौन- कौन से है, उल्लेख कीजिए.

2. रामायणकालीन समाज और संस्कृति पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए. 20

अथवा

महाभारत का पर्वानुसार विस्तारपूर्वक वर्णन करें.

3. पुराण का लक्षण बताते हुए उसकी विषयवस्तु को स्पष्ट करें. 20

अथवा

भारतीय दर्शनों का वर्णन करते हुए उसकी जीवन में उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक लिखें.

4. वेदों के रचनाकाल को स्पष्ट कीजिए. 10

अथवा

संस्कृत व्याकरण के इतिहास को वर्णित कीजिए.

5. पाणिनी कालनिर्धारण का वर्णन कीजिए. 10

अथवा

महापुराणों पर निंबध लिखे.

6. सामवेद संहिता पर प्रकाश डालिए. 10

अथवा

रामायण के रचनाकाल का वर्णन करें

7. निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए. 5*2=10

(क) बौद्ध दर्शन

(ख) वैदिक संहिता

(ग) प्रक्रिया ग्रंथ